ग्रामीण कृषि मौसम सेवा, कृषि मौसम विभाग
जलवायु परिवर्तन पर उच्च अध्ययन केन्द्र
डा0 राजेन्द्र प्रसाद केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय
पूसा,समस्तीपुर (बिहार)–848125

बुलेटिन संख्या–५२
दिनांक- मंगलवार, ०६ जुलाई, २०२१

विगत मौसम पूर्वानुमान अवधि का आकलन

मौसमीय वेद्यशाला पूसा के आकलन के अनुसार पिछले तीन दिनों का औसत अधिकतम एवं न्यूनतम तापमान क्रमशः 33.6 एवं 25.1 डिग्री सेल्सियस रहा। औसत सापेक्ष आर्द्रता 92 प्रतिशत सुबह में एवं दोपहर में 77 प्रतिशत, हवा की औसत गति 11.0 कि0मी0 प्रति घंटा एवं दैनिक वाष्पण 3.0 मि0मी0 तथा सूर्य प्रकाश अवधि औसतन 6.4 घन्टा प्रति दिन रिकार्ड किया गया तथा 5 से0मी0 की गहराई पर भूमि का औसत तापमान सुबह में 30.4 एवं दोपहर में 38.0 डिग्री सेल्सियस रिकार्ड किया गया। इस अवधि में 2.6 मि0मी0 वर्षा रिकार्ड हुई।

मध्यावधि मौसम पूर्वानुमान
(07–11 जुलाई, 2021)

ग्रामीण कृषि मौसम सेवा, डा0आर0पी0सी0ए0यू0, पूसा, समस्तीपुर एवं भारत मौसम विज्ञान विभाग के सहयोग से जारी 07–11 जुलाई, 2021 तक के मौसम पूर्वानुमान के अनुसारः–

- पूर्वानुमानित अवधि में उत्तर बिहार के जिलों के आसमान में हल्के से मध्यम बादल छाये रह सकते है। इस अवधि में उत्तर बिहार के जिलों में अच्छी वर्षा की सम्भावना नही है। हालॉकि अनेक स्थानों पर हल्की हल्की वर्षा होने का अनुमान है। कुछ स्थानों पर मध्यम वर्षा भी हो सकती है।
- इस अवधि में अधिकतम तापमान 32–36 डिग्री सेल्सियस के बीच रह सकता है। जबकि न्यूनतम तापमान 24–27 डिग्री सेल्सियस के आस–पास रह सकता है।
- सापेक्ष आर्द्रता सुबह में 75 से 85 प्रतिशत तथा दोपहर में 40 से 50 प्रतिशत रहने की संभावना है।
- पूर्वानुमानित अवधि में मुख्यतः पूरवा हवा औसतन 12 से 18 कि0मी0 प्रति घंटा की रफ्तार से रहने का अनुमान है।

• समसामयिक सुझाव

- हल्के से मध्यम वर्षा की संभावना को देखते हुए धान की रोपाई हेतु, किसान भाई वर्षा जल का संग्रह खेत में करने के लिए मेड़ों को मजबूत बनाने का कार्य करें। तैयार मक्का फसल की कटनी, दौनी तथा दानो को सुखाने के कार्य में सावधानी बरतने की आवश्यकता है।
- अगात एवं मध्यम धान की किस्में, जिनकी किसान भाई सीधी बुवाई करना चाहतें हैं उसके लिए मौसम उपयुक्त है। बारिश का समय चल रहा है अतः किसान खेत को सूखने तक की प्रतिक्षा ना करें, बल्कि पानी लगे हुए खेत में ही धान को छिटकॉवा विधी से सीधी बुवाई करें। यदि खेत सूखा है तो सीडड्रील मशीन से या छिटकॉवा विधी से बुवाई कर सकतें हैं। सूखे खेत में सीधी बुवाई करने पर बुवाई के ४८ घंटें के अन्दर खरपतवारनाशी दवा पेन्डिमेथीलीन १.० लीटर प्रति एकड़ की दर से छिड़काव करें। यदि बुवाई के बाद बारिश शुरू हो जाती है तो पेन्डिमेथीलीन दवा का छिड़काव न कर वैसी हालत में बुवाई के १०–१५ दिनो के बीच में नामिनी गोल्ड (बिसपेरिबेक सोडियम १०ः एस० सी०) दवा का १०० मि० ली० प्रति एकड़ की दर से छिड़काव करना नही भूले। धान की रोपाई के समय २५–३० किलोग्राम नेत्रजन, ५० किलोग्राम स्फुर एवं २०–२५ किलोग्राम पोटाश के साथ २५ किलोगाम जिंक सल्फेट का व्यवहार करें। बीज को बविस्टिन २ ग्राम प्रति किलो की दर से बीजोपचार कर बुआई करें।
- जो किसान भाई धान का बिचड़ा अब तक नहीं गिराये हों, नर्सरी गिराने का कार्य १० जुलाई तक सम्पन्न अवश्य कर लें। धान की अगात किस्में जैसे-प्रभात, धनलक्ष्मी, रिछारिया, साकेत-४,राजेन्द्र भगवती एवं राजेन्द्र नीलम उत्तर बिहार के लिए अनुशसित है। एक हेक्टेयर क्षेत्रफल में रोपाई हेतु ८००–१००० बर्ग मीटर क्षेत्रफल में बीज गिरावें। नर्सरी में क्यारी की चौड़ाई १.२५–१.५ मीटर तथा लम्बाई सुविधानुसार रखें। बीज को बविस्टिन २ ग्राम प्रति किलोग्राम की दर से मिलाकर बीजोपचार करें। १० से १२ दिनो के बीचड़े वाली नर्सरी से खर–पतवार निकालें।
- आम का बाग लगाने का यह समय अनुकुल चल रहा है। किसान भाई अपने पसंद के अनुसार अलग–अलग समय में पकने वाली किस्मों का चयन कर सकते हैं। मई के अन्त से जुन माह में पकने वाली किस्में मिठुआ, गुलाबखास, बम्बई, एलफॉन्जों, जड़दालू, जून माह में पकने वाली किस्में लंगड़ा (मालदह), हेमसागर, कृष्णभोग, अमन दशहरी, जुलाई माह में पकने वाली किस्में फजली, सुकुल, सिपिया, तैमूरिया, अगस्त में पकने वाली किस्में समरबहिश्त, चौसा, कतिकी है। आम के संकर किस्मों के लिए महमूद बहार, प्रभाशंकर, अम्रपाली, मल्लिका, मंजीरा, मेनिका, सुन्दर लंगड़ा राजेंद्र आम–१, रत्ना, सबरी, जवाहर, सिंधु, अर्का, अरुण, मेनका, अलफजली, पूसा अरुणिमा आदि अनुशंसित है। कलमी आम के लिए पौधा से पौधा की दुरी १० मीटर, बीजु के लिए १२ मीटर रखें। आम्रपाली किस्म की सघन बागवानी हेतु पौधों को २.५ x २.५ मीटर की दूरी पर लगा सकतें हैं।
- जिन क्षेत्रों में हल्की वर्षा हुई है, वहॉ ऊचॉस जमीन में सुर्यमुखी की बुआई के लिए मौसम अनुकूल है। मोरडेन, सुर्या, सी०ओ०–१ एवं पैराडेविक सुर्यमुखी की उन्नत संकुल प्रभेद है जबकि बी०एस०एच०–१, के० बी०एस०एच०–१, के० बी०एस०एच०–४४ सुर्यमुखी की संकर प्रभेद है। बुआई के समय प्रति हेक्टेयर १०० किवन्टल कम्पोस्ट, ३०–४० किलो नेत्रजन, ८०–९० किलो स्फुर एवं ४० किलो पोटाश का व्यवहार करें। बुआई के समय किसान ३०–४० किलोग्राम गंधक प्रति हेक्टेयर की दर से व्यवहार कर सकते है। संकर किस्मों के लिए बीज दर ५ किलोग्राम तथा संकुल के लिए ८ किलोग्राम प्रति हेक्टेयर की दर से रखें।
- प्याज की बीजस्थली में जहाँ बिचड़े १५ से २० दिनो के हो गये हो, में खर–पतवार निकालें। पौधशाला को धूप अथवा वर्षा से बचाने के लिए ४० : छायादार नेट से ६–७ फीट की ऊचाई पर ढ़क सकते है। कीट–व्याधियों से नर्सरी की निगरानी करते रहें।
- पहले से तैयार गढ़ों में फलदार एवं वानिकी पौधों को लगाने का कार्य करें। पौधों को दीमक तथा सफेद लट कीट से वचाव हेतु ५ मी०ली० क्लोरपाइरीफॉस दवा १ ली० पानी में मिलाकर पौधा लगाने के बाद गढ़े में दे।
- उचॉस जमीन में बरसाती सब्जियाँ जैसे- भिंडी, लौकी, नेनुआ, करैला, खीरा की बुआई करें। गरमा सब्जियों की फसल में कीट–व्याधियों की निगरानी करते रहें।

आज का अधिकतम तापमानः 34.5 डिग्री सेल्सियस, सामान्य से 1.4 डिग्री सेल्सियस अधिक	आज का न्यूनतम तापमानः 26.4 डिग्री सेल्सियस, सामान्य से 0.7 डिग्री सेल्सियस अधिक

(डॉ0 गुलाब सिंह)
तकनीकी पदाधिकारी

(डॉ0 ए. सत्तार)
नोडल पदाधिकारी